लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

STUDENTS OF DEV SANSKRITI VISHWAVIDYALAYA WILL BE THE HARBINGER OF INDIAN CULTURE IN THE COUNTRY AND ABROAD AND WILL PLAY AN IMPORTANT ROLE IN TRANSFORMATION OF THE ERA: LOK SABHA SPEAKER/देवसंस्कृति वश्व वद्यालय के वद्यार्थी देश-वदेश में भारतीय संस्कृति के अग्रदूत होंगे और युग परिवर्तन में अहम भू मका निभाएंगे।: लोकसभा अध्यक्ष

…

DEMOCRACY AND DEMOGRAPHY ARE INDIA'S BIGGEST STRENGTHS: LOK SABHA SPEAKER/डेमोक्रेसी और डेमोग्राफी भारत की सबसे बड़ी शक्ति है: लोकसभा अध्यक्ष

…

DEV SANSKRITI VISHWAVIDYALAYA IS BUILDING SPIRITUAL CONSCIOUSNESS AMONG STUDENTS: LOK SABHA SPEAKER/देवसंस्कृति वश्व वद्यालय वद्या र्थयों में आध्यात्मिक चेतना व ववेक का निर्माण कर रहा है: लोकसभा अध्यक्ष

…

DEV SANSKRITI VISHWAVIDYALAYA, ADOPTING THE ANCIENT GURUKUL TRADITION OF INDIA, HAS INCORPORATED MODERN KNOWLEDGE AND SCIENCE IN ITS TEACHING METHODS: LOK SABHA SPEAKER/देवसंस्कृति वश्व वद्यालय ने अपनी शक्षण पद्धति में भारत की प्राचीन गुरुकुल परम्परा को अपनाते हुए आधुनिक ज्ञान- वज्ञान का समावेश कया है: लोकसभा अध्यक्ष

…

LOK SABHA SPEAKER ADDRESSES STUDENTS OF DEV SANSKRITI VISHWAVIDYALAYA IN HARIDWAR/लोकसभा अध्यक्ष ने हरिद्वार में देव संस्कृति वश्व वद्यालय के छात्रों को संबो धत कये

Haridwar, 1 November, 2022: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla addressed the students of Dev Sanskriti Vishwavidyalaya in Haridwar, today. Shri Birla was the chief guest at the 6th convocation of the university.

Speaking on the occasion, Shri Birla observed that Dev Sanskriti Vishwavidyalaya has done remarkable work in the fields of Indian culture, tradition, yoga and spirituality. Established by Yug Purush Pt. Shriram Sharma Acharya ji, this University, following the footsteps of Acharya Ji, is developing spiritual consciousness among the students. He was happy to note that Dev Sanskriti Vishwavidyalaya is conducting many courses like disaster management, rural management, school management, etc. so that the problems of the nation and society can be solved and employment is provided to our youth easily. Shri Birla hoped that the students here would be the harbingers of Indian culture in the country and abroad and would play an important role in transformation of the era.

Mentioning India's progress in the field of education, Shri Birla said that India has given a new direction to the world. He opined that when the world is progressing materially, no one can match India in the field of spiritual and internal progress. India is a country which has a rich spiritual and cultural heritage. Our yoga system, our naturopathy, ayurveda, meditation, pranayama, spirituality, tradition, philosophy and our Vedanta culture have no parallel, felt Shri Birla.

Speaking on the role of youth in nation building, Shri Birla emphasized that democracy and demography are the biggest strengths of India. India has a vibrant and strong democracy and the largest working population in the world. But at the same time, as a nation, the big challenge before us is that we should use our youth power properly. He said that in every field from politics, society, business, education, science, the youth of India has taken India forward as per the requirements of time. He urged the students to act now for the future development of India. He also urged the youth to understand their duties and responsibilities towards the nation. When every student, every youth of the nation will try to become the best, then that nation will automatically become the best, added Shri Birla.

On this occasion, Shri Birla also presented certificates to the passed out students.

हरिद्वार, 1 नवंबर, 2022: लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज हरिद्वार में देव संस्कृति वश्व वद्यालय के छात्रों को संबो धत कया। श्री बिरला वश्व वद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह में मुख्य अति थ थे।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री बिरला ने कहा क देव संस्कृति वश्व वद्यालय ने भारतीय संस्कृति, परंपरा, योग और अध्यात्म के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कया है। युग पुरुष पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी द्वारा स्था पत यह वश्व वद्यालय उनके वचारों के माध्यम से वद्या र्थयों में आध्यात्मिक चेतना व ववेक का निर्माण कर रहा है। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा क देव संस्कृति वश्व वद्यालय ने समाज की आवश्यकताओं को समझते हुए आपदा प्रबंधन , ग्राम प्रबंधन, वद्यालय प्रबंधन जैसे कई कोर्स भी संचा लत कए हैं , जिससे राष्ट्र और समाज की समस्याओं का समाधान हो सके तथा हमारे युवाओं के लए सहजता से पर्याप्त रोजगार भी उपलब्ध हो। , श्री बिरला ने वश्वाश व्यक्त कया क यहां के वद्यार्थी देश- वदेश में भारतीय संस्कृति के अग्रदूत होंगे और युग परिवर्तन में अहम भू मका निभाएंगे।

शक्षा के क्षेत्र में भारत की प्रगति का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा क भारत ने वश्व को नई दिशा दी है। दुनिया जब भौतिक रूप से आगे बढ़ रही है , आध्यात्मिक और आंतरिक उन्नति के क्षेत्र में भारत की बराबरी कोई नहीं कर सकता है। भारत ऐसा देश है , जिसके पास एक समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक वरासत है। हमारी योग पद्धति , हमारी प्राकृतिक च कत्सा , आयुर्वेद, ध्यान, प्राणायाम, हमारा अध्यात्म, हमारी परंपरा, भारत का ज्ञान, यहाँ का दर्शन और धर्म संस्कृति, हमारा वेदान्त अतुलनीय है, श्री बिरला ने कहा ।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भू मका पर बोलते हुए , श्री बिरला ने जोर देकर कहा क डेमोक्रेसी और डेमोग्राफी भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। भारत के पास एक जीवंत और सशक्त लोकतंत्र है और दुनिया में सबसे अ धक कार्यशील जनसंख्या है। ले कन इसी के साथ एक राष्ट्र के तौर पर हमारे सामने बड़ी चुनौती है क हम अपनी युवा शक्ति का सही उपयोग करें। उन्होंने कहा क राजनीति, समाज, व्यापार,

शक्षा, वज्ञान से लेकर हर क्षेत्र में भारत के युवाओं ने समय के अनुसार भारत को आगे बढ़ाया है। उन्होंने छात्रों का आह्वान कया क भारत के लए भावी वकास कैसा होगा इसके लए उन्हें अभी से काम करना होगा। इसमें नौजवानों का दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है और इसी लए युवाओं को वर्तमान समय में राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को समझना चाहिए। उन्होंने वश्वास व्यक्त कया क जब राष्ट्र का हर एक वद्यार्थी , हर एक युवा श्रेष्ठ बनने का प्रयास करेगा, तब वह राष्ट्र अपने आप ही सर्वश्रेष्ठ बन जाएगा।

इस अवसर पर श्री बिरला ने उत्तीर्ण छात्रों को प्रमाणपत्र भी प्रदान कये।